



An Initiative by **अमरउजाला**

Parliament (संसद)

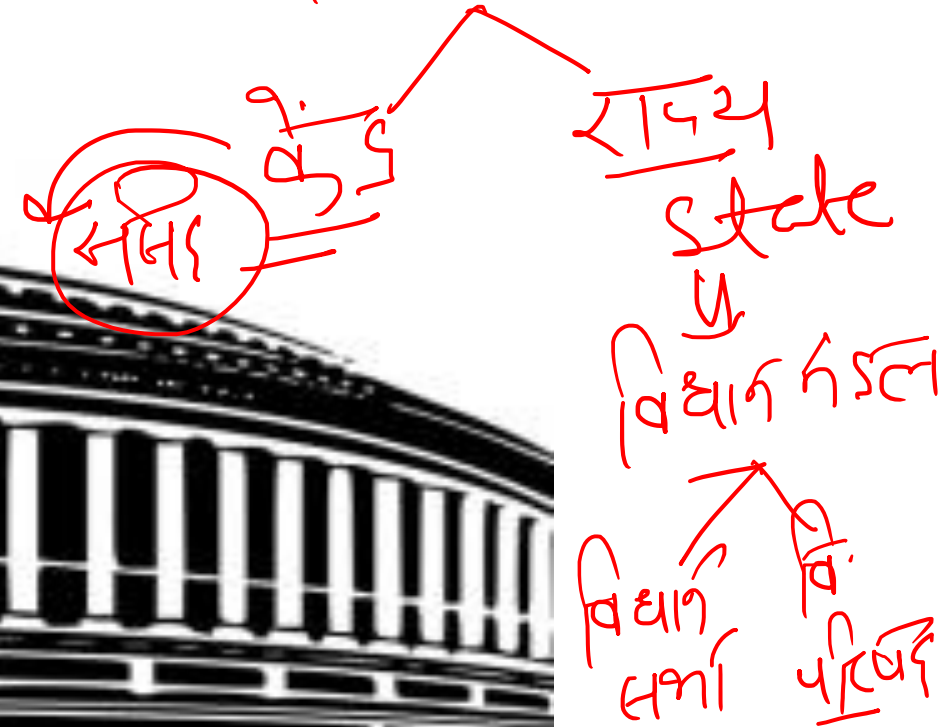
INDIAN POLITY BY- SUJEET BAJPAI SIR

> संसद = [LS ⊕ RS ⊕
Pres]

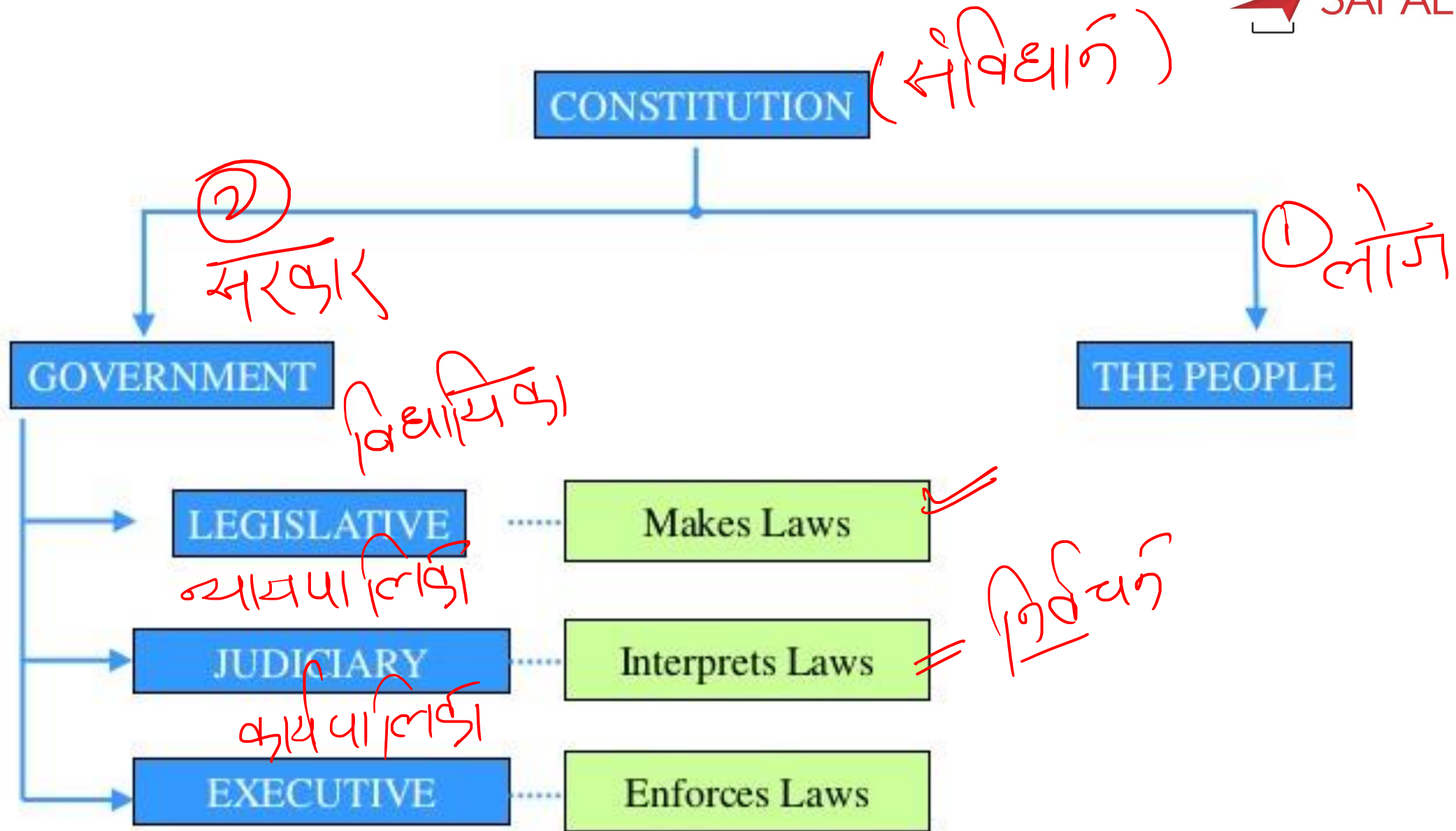


1) संसदीय - Bicameral
State (6) UP + BR + मम + KR
ओंधुप AP + Tel.

विधायिका



— PARLIAMENT OF INDIA —



Britain →

The Parliament is the legislative organ of the Union government.

It occupies a pre-eminent and central position in the Indian democratic political system due to adoption of the parliamentary form of government, also known as

✓ ‘Westminster’ model of government.

└ Name of place in Britain

संसद केंद्र सरकार का विधायी अंग है।

यह सरकार के संसदीय रूप को अपनाने के कारण भारतीय लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली में एक पूर्व-प्रख्यात और केंद्रीय पद पर है, जिसे सरकार के 'वेस्टमिंस्टर ' मॉडल के रूप में भी जाना जाता है ।

Articles 79 to 122 in Part V of the Constitution deal with the organisation, composition, duration, officers, procedures, privileges, powers and so on of the Parliament.

संविधान के भाग V में अनुच्छेद 79 से 122 संगठन, संरचना, अवधि, अधिकारियों, प्रक्रियाओं, विशेषाधिकारों, शक्तियों आदि के साथ संसद के साथ व्यवहार करते हैं।

Under the Constitution, the Parliament of India consists of three parts viz, the President, the Council of States and the House of the People.

In 1954, the Hindi names 'Rajya Sabha' and 'Lok Sabha' were adopted by the Council of States and the House of People respectively.

संविधान के तहत भारत की संसद में तीन भाग होते हैं जैसे राष्ट्रपति, राज्य परिषद और जनता का घर ।

1954 में राज्य परिषद और जन सभा द्वारा क्रमशः राज्यसभा और लोकसभा नाम अपनाए गए।

The parliamentary form of government emphasises on the interdependence between the legislative and executive organs.

Hence, we have the 'President-in-Parliament' like the 'Crown-in-Parliament' in Britain.

सरकार का संसदीय रूप विधायी और कार्यकारी अंगों के बीच परस्पर निर्भरता पर जोर देता है ।

इसलिए, हमारे पास ब्रिटेन में क्राउन-इन-पार्लियामेंट की तरह ' राष्ट्रपति-इन-पार्लियामेंट ' है ।

The presidential form of government, on the other hand, lays stress on the separation of legislative and executive organs.

Hence, the American president is not regarded as a constituent part of the Congress.

दूसरी ओर, सरकार का राष्ट्रपति रूप विधायी और कार्यकारी अंगों के अलग होने पर जोर देता है ।

इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति को कांग्रेस का घटक हिस्सा नहीं माना जाता ।

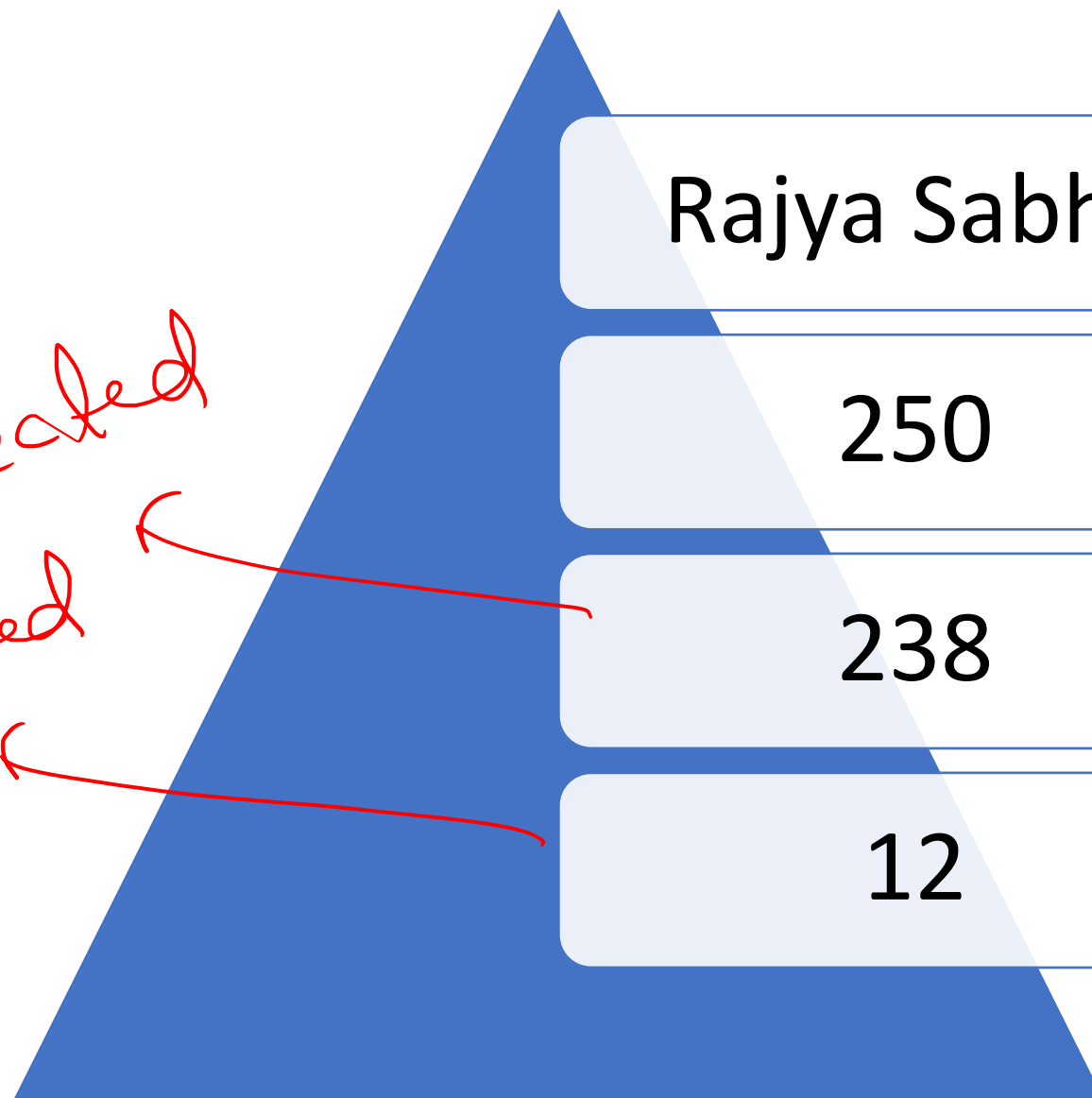
Composition of Rajya Sabha

The maximum strength of the Rajya Sabha is fixed at 250, out of which, 238 are to be the representatives of the states and union territories (elected indirectly) and 12 are nominated by the president.

राज्यसभा की अधिकतम संख्या 250 तय है, जिसमें से 238 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए) के प्रतिनिधि होने हैं और 12 राष्ट्रपति मनौनीत हैं।

संख्या

elected
Nominated



Rajya Sabha

250

238

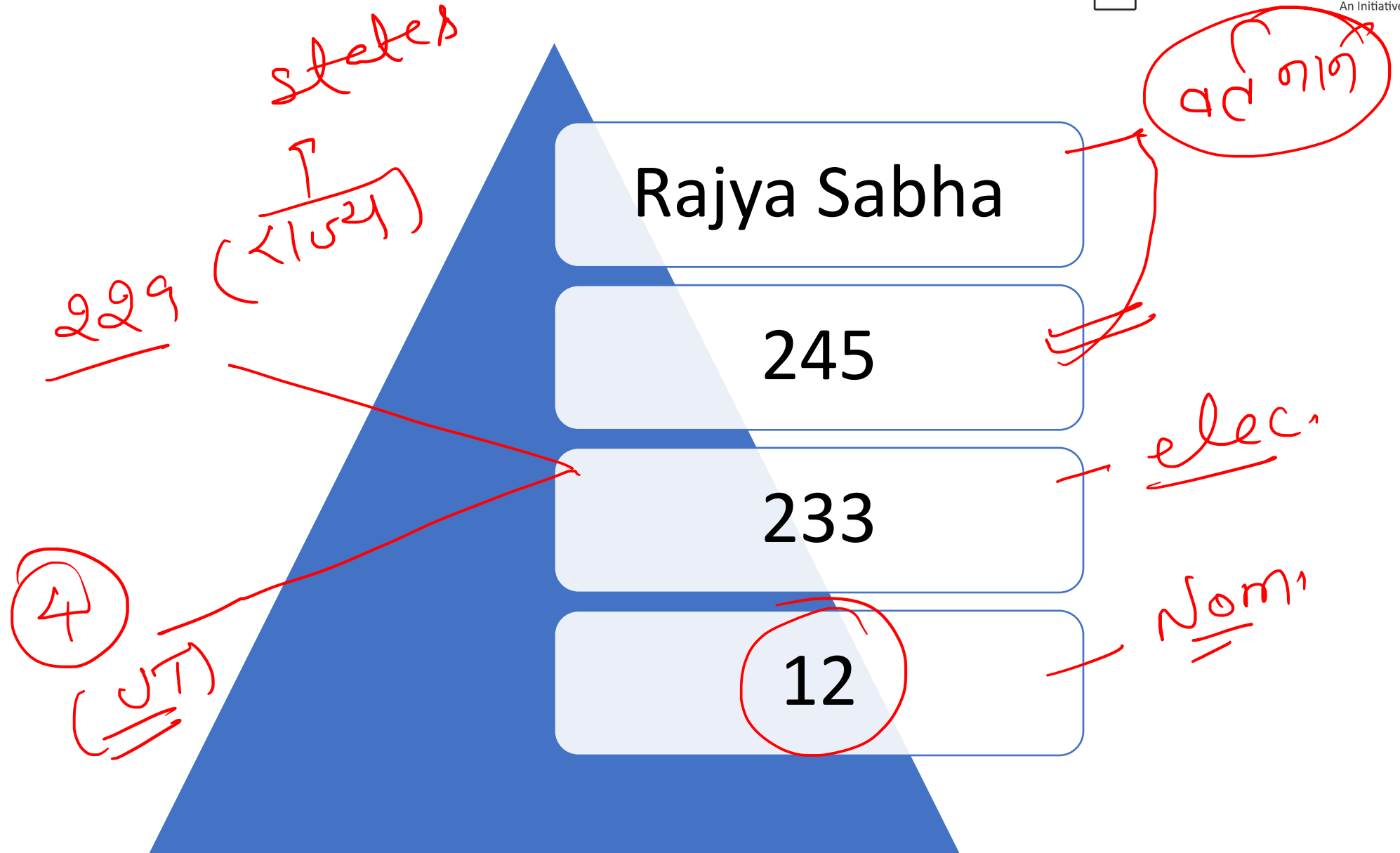
12

Upper House

max

निर्वाचित

नियुक्त



At present, the Rajya Sabha has 245 members. Of these, 229 members represent the states, 4 members represent the union territories and 12 members are nominated by the president.

The Fourth Schedule of the Constitution deals with the allocation of seats in the Rajya Sabha to the states and union territories.

फिलहाल राज्यसभा में 245 सदस्य हैं।

इनमें से 229 सदस्य राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, 4 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

संविधान की चौथी अनुसूची राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यसभा में सीटों के आवंटन से संबंधित है।

4.
आयरलैंड

The president nominates 12 members to the Rajya Sabha from people who have special knowledge or practical experience in **ART, LITERATURE, SCIENCE AND SOCIAL SERVICE.**

राष्ट्रपति कला, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक सेवा में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव रखने वाले लोगों से 12 सदस्यों को राज्यसभा में मनोनीत करते हैं।

7 Note ⇒ गवर्निंग विधान परि. के 1/6 में से
(5) > 4 + (1) ⇒ Co-operative movement
सहकारी आंदोलन

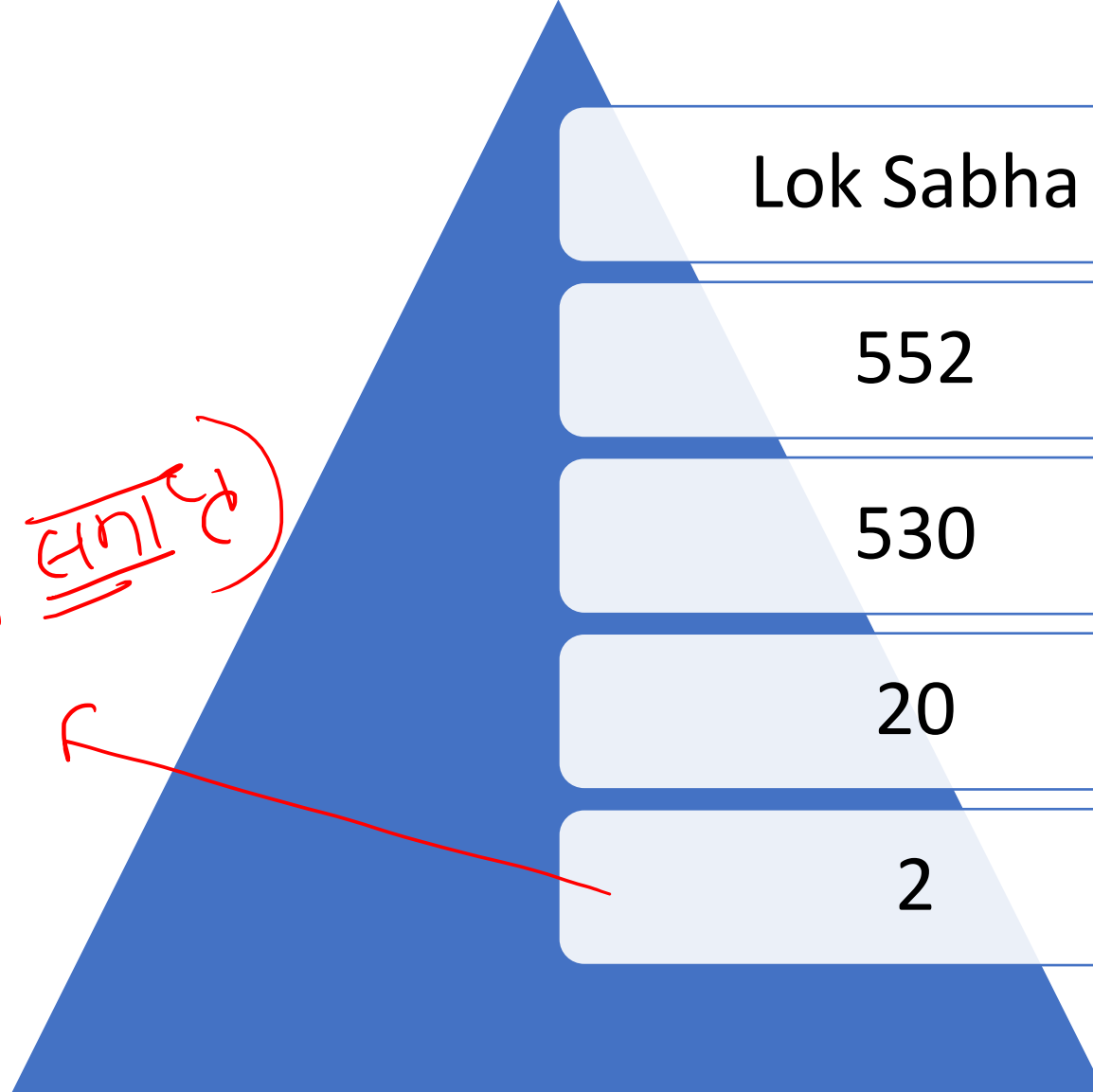
Composition of Lok Sabha

The maximum strength of the Lok Sabha is fixed at 552.

Out of this, 530 members are to be the representatives of the states, 20 members are to be the representatives of the union territories and 2 members are to be nominated by the president from the Anglo-Indian community.

संख्या

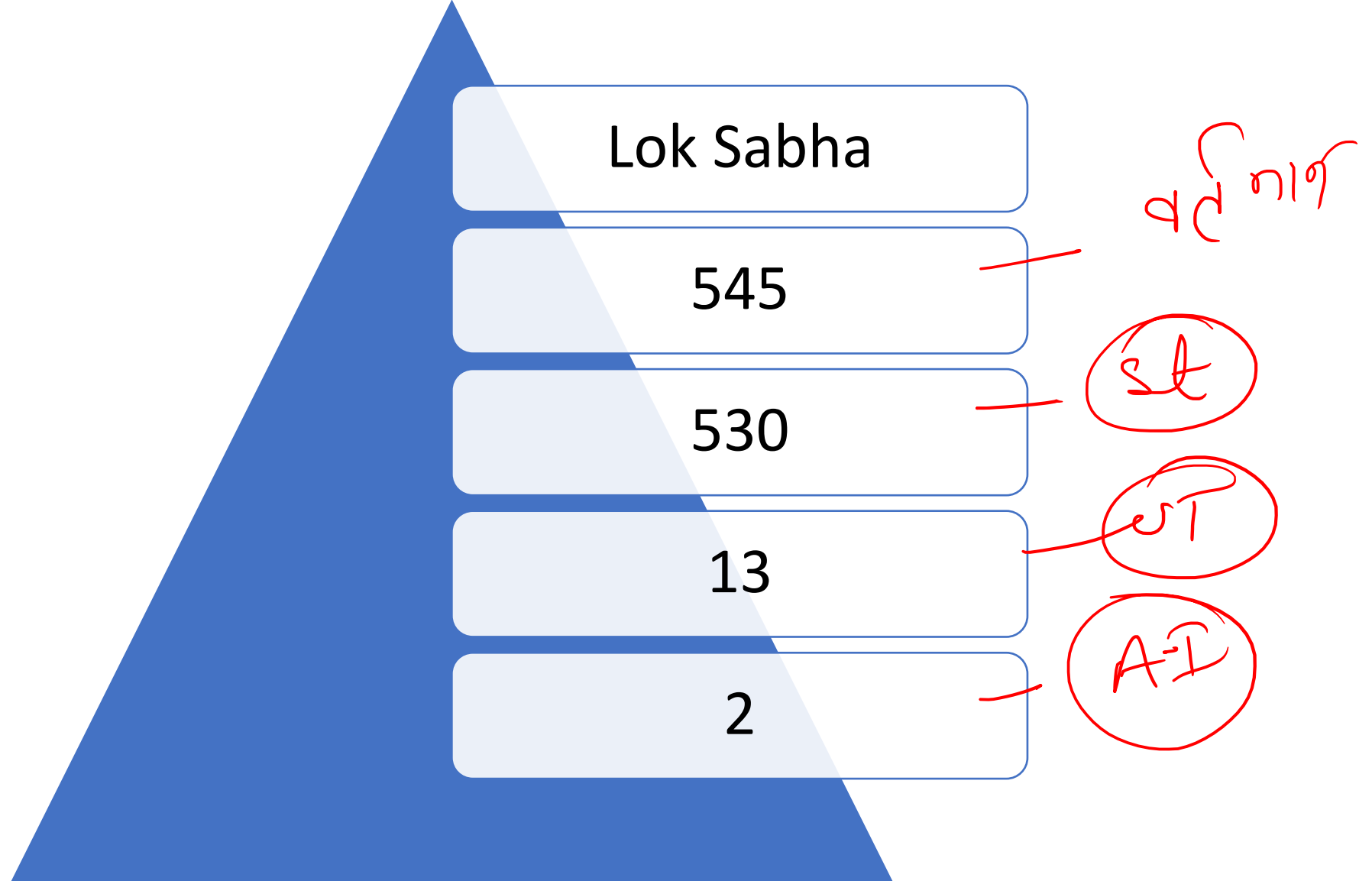
~~संख्या~~
(2019 के संविधान)



MAX

states

UT
Anglo-Ind.



लोकसभा की संरचना लोकसभा की अधिकतम संख्या 552 तय है। इसमें से 530 सदस्य राज्यों के प्रतिनिधि होने हैं, 20 सदस्यों को केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधि होना है और 2 सदस्यों को एंग्लो इंडियन समुदाय से राष्ट्रपति मनोनीत किया जाना है।

At present, the Lok Sabha has 545 members. Of these, 530 members represent the states, 13 members represent the union territories and 2 Anglo-Indian members are nominated by the President.

वर्तमान में लोकसभा में 545 सदस्य हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2 एंग्लो-इंडियन सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

dissolution (X)

अमर

Duration

Duration of Two Houses

Duration of Rajya Sabha:

→ Permanent (स्थायी)

The Rajya Sabha (first constituted in 1952) is a continuing chamber, that is, it is a permanent body and not subject to dissolution.

राज्यसभा की अवधि:

राज्यसभा (पहली बार 1952 में गठित) एक सतत कक्ष है, अर्थात् यह एक स्थायी निकाय है।

Q. सदस्यों का कार्यकाल = 6 yrs
2 yrs पर $\frac{1}{3}$ member Retire

However, one-third of its members retire every second year.

Their seats are filled up by fresh elections and presidential nominations at the beginning of every third year.

हालांकि इसके एक तिहाई सदस्य हर दूसरे साल रिटायर होते हैं।
उनकी सीटें हर तीसरे साल की शुरुआत में नए चुनाव और राष्ट्रपति पद के नामांकन से भरी जाती हैं।

Duration of Lok Sabha → Temporary (अस्थायी)

Unlike the Rajya Sabha, the Lok Sabha is not a continuing chamber.

Its normal term is five years from the date of its first meeting after the general elections, after which it automatically dissolves.

लोकसभा की अवधि राज्यसभा के विपरीत लोकसभा का कोई सदन जारी नहीं है।

इसका सामान्य कार्यकाल आम चुनाव के बाद अपनी पहली बैठक की तारीख से पांच साल का होता है, जिसके बाद यह अपने आप ~~घुल~~ भंग जाता है।

However, the President is authorised to dissolve the Lok Sabha at any time even before the completion of five years and this cannot be challenged in a court of law.

हालांकि राष्ट्रपति पांच साल पूरे होने से पहले ही किसी भी समय लोकसभा भंग करने के लिए अधिकृत हैं और इसे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।

Further, the term of the Lok Sabha can be extended during the period of national emergency be a law of Parliament for one year at a time for any length of time.

However, this extension cannot continue beyond a period of six months after the emergency has ceased to operate.

Note

Art - 352

इसके अलावा, राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है संसद का कानून किसी भी समय एक समय में एक वर्ष के लिए होता है।

हालांकि, आपातकाल के संचालन के बाद यह विस्तार छह महीने की अवधि से आगे जारी नहीं रह सकता ।

NOTE:

5 साल 10 महीने

The term of the fifth Lok Sabha that was to expire on 18 March, 1976, was extended by one year upto 18 March, 1977 by the House of the People (Extension of Duration) Act, 1976.

It was extended for a further period of one year up to 18 March, 1978 by the House of the People (Extension of Duration) Amendment Act, 1976.

However, the House was dissolved on 18 January 1977, after having been in existence for a period of **Five Years, 10 Months And Six Days.**

नोट:

पांचवीं लोकसभा का कार्यकाल जो 18 मार्च, 1976 को समाप्त हो रहा था, उसे हाउस ऑफ पीपल (अवधि का विस्तार) अधिनियम, 1976 द्वारा एक वर्ष के लिए बढ़ाकर 18 मार्च, 1977 कर दिया गया था।

इसे हाउस ऑफ पीपल (अवधि का विस्तार) संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा 18 मार्च, 1978 तक एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दिया गया था।

तथापि, पांच वर्ष, 10 महीने और छह दिन की अवधि तक अस्तित्व में रहने के बाद 18 जनवरी 1977 को सभा को भंग कर दिया गया ।

Qualifications

The Constitution lays down the following qualifications for a person to be chosen a member of the Parliament:

1. He must be a citizen of India.
2. He must make and subscribe to an oath or affirmation before the person authorised by the election commission for this purpose. In his oath or affirmation, he swears
 - (a) To bear true faith and allegiance to the Constitution of India
 - (b) To uphold the sovereignty and integrity of India
3. He must be not less than 30 years of age in the case of the Rajya Sabha and not less than 25 years of age in the case of the Lok Sabha.
4. He must possess other qualifications prescribed by Parliament.

मंन →

Age = $\frac{30}{48}$

The Parliament has laid down the following additional qualifications in the

✓ Min Age =

विधान परिषद / RS \Rightarrow 30 yrs

विधान सभा / LS \Rightarrow 25 yrs

⊕ जवळ (Min Age) \Rightarrow 35 yrs

स्थायी
निर्वाय
 \Rightarrow 21 yrs

> राष्ट्रपति

> P m (युवाग्न नली) ⊕ \Rightarrow 25 yrs

Question Hour

प्रश्न घण्टा

The first hour of every parliamentary sitting is slotted for this. During this time, the members ask questions and the ministers usually give answers. The questions are of three kinds, namely, starred, unstarred and short notice.

A **starred question** (distinguished by an asterisk) requires an oral answer and hence supplementary questions can follow.

An **unstarred question**, on the other hand, requires a written answer and hence, supplementary questions cannot follow.

A **short notice question** is one that is asked by giving a notice of less than ten days. It is answered orally.

प्रश्नकाल

संसद का पहला घंटा प्रश्नकाल के लिए होता है। इस दौरान सदस्य प्रश्न पूछते हैं और सामान्यतः मंत्री उत्तर देते हैं। प्रश्न तीन तरह के होते हैं—तारांकित, अतारांकित तथा अल्प सूचना वाले।

तारांकित प्रश्नों का उत्तर मौखिक दिया जाता है तथा इसके बाद पूरक प्रश्न पूछे जाते हैं।

दूसरी ओर अतारांकित प्रश्न के मामले में लिखित रिपोर्ट आवश्यक होती है इसलिये इसके बाद पूरक प्रश्न नहीं पूछा जा सकता।

अल्प सूचना के प्रश्न वे प्रश्न होते हैं, जिन्हें कम से कम 10 दिन का नोटिस देकर पूछा जाता है। इनका उत्तर भी मौखिक दिया जाता है।

Zero Hour

Unlike the question hour, the zero hour is not mentioned in the Rules of Procedure. Thus it is an informal device available to the members of the Parliament to raise matters without any prior notice. The zero hour starts immediately after the question hour and lasts until the agenda for the day (ie, regular business of the House) is taken up. In other words, the time gap between the question hour and the agenda is known as zero hour. It is an Indian innovation in the field of parliamentary procedures and has been in

शून्यकाल \Rightarrow India media \Rightarrow दिया गया।

प्रश्नकाल की तरह प्रक्रिया के नियमों में शून्यकाल का उल्लेख नहीं है। इस तरह यह अनौपचारिक साधन है, जिसमें संसद सदस्य बिना पूर्व सूचना के मामले उठा सकते हैं। शून्यकाल प्रश्नकाल के तुरंत बाद शुरू होता है और उससे सदन के नियमित कार्य के कार्यक्रम के साथ किया जाता है। दूसरे शब्दों में, प्रश्नकाल और कार्यक्रम तय करने के मध्य के समय को शून्यकाल कहते हैं। संसदीय प्रक्रिया में यह नवसार भारत की देन है तथा यह वर्ष 1962 से जारी है।

7 Collective Accountability of समूहिक उत्तरदायित्व

x42

No-Confidence Motion Article 75 of the Constitution says that the council of ministers shall be collectively responsible to the Lok Sabha. It means that the ministry stays in office so long as it enjoys confidence of the majority of the members of the Lok Sabha. In other words, the Lok Sabha can remove the ministry from office by passing a no-confidence motion. The motion needs the support of 50 members to be admitted.

अविश्वास प्रस्ताव

~~ONLY IN~~ CS ~~ONLY IN~~

संविधान के अनुच्छेद 75 में कहा गया है कि मंत्रिपरिषद्, लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी। इसका अभिप्राय है कि मंत्रिपरिषद् तभी तक है, जब तक कि उसे सदन में बहुमत प्राप्त है। दूसरे शब्दों में, लोकसभा, मंत्रिमंडल को अविश्वास प्रस्ताव पारित कर हटा सकती है। प्रस्ताव के समर्थन में 50 सदस्यों की सहमति अनिवार्य है।

Special Powers of Rajya Sabha ✓✓

Due to its federal character, the Rajya Sabha has been given two exclusive or special powers that are not enjoyed by the Lok Sabha:

1. It can authorise the Parliament to make a law on a subject enumerated in

the State List (Article 249).

2. It can authorise the Parliament to create new All-India Services common to both the Centre and states (Article 312).

State List
राज्य सूची

राज्यसभा की विशेष शक्तियां

संघीय चरित्र होने के कारण राज्यसभा को दो विशेष शक्तियां प्रदान की गई हैं, जो लोकसभा के पास नहीं हैं:

1. यह संसद को राज्यसूची (अनुच्छेद 249) में से विधि बनाने हेतु अधिकृत कर सकती है।
2. यह संसद को केंद्र एवं राज्य दोनों के लिए नयी अखिल भारतीय सेवा के सृजन हेतु अधिकृत कर सकती है (अनुच्छेद 312)।

Role, Powers and Functions of Speaker:

- The Speaker is the head of the Lok Sabha, and its representative.
- He is the guardian of powers and privileges of the members, the House as a whole and its committees.
- अध्यक्ष लोकसभा के प्रमुख और उसके प्रतिनिधि होते हैं।
- वह सदस्यों, सभा और इसकी समितियों की शक्तियों और विशेषाधिकारों के संरक्षक हैं ।

- He is the principal spokesman of the House, and his decision in all Parliamentary matters is final.
- He is thus much more than merely the presiding officer of the Lok Sabha.
- वह सदन के प्रमुख प्रवक्ता हैं और सभी संसदीय मामलों में उनका निर्णय अंतिम है ।
- इस प्रकार वह केवल लोकसभा के पीठासीन अधिकारी से कहीं अधिक हैं।

- He adjourns the House or suspends the meeting in absence of a quorum. जायवृत्ति — min
- The quorum to constitute a meeting of the House is one-tenth of the total strength of the House. 1/10
- वह सदन स्थगित कर देते हैं या कोरम के अभाव में बैठक स्थगित कर देते हैं।
- सदन की बैठक गठित करने का कोरम सदन की कुल संख्या का दसवां हिस्सा है।

- He does not vote in the first instance. But he can exercise a casting vote in the case of a tie.
- In other words, only when the House is divided equally on any question, the Speaker is entitled to vote.
- Such vote is called casting vote, and its purpose is to resolve a deadlock.

(निर्णायक वोट)

वह पहली बार में वोट नहीं देते । लेकिन वह टाई के मामले में कास्टिंग वोट का प्रयोग कर सकते हैं ।

दूसरे शब्दों में, जब सभा किसी भी प्रश्न पर समान रूप से विभाजित होती है, तभी अध्यक्ष को मतदान करने का अधिकार होता है ।

इस तरह के वोट को कास्टिंग वोट कहा जाता है, और इसका उद्देश्य एक गतिरोध को सुलझाना है ।

- Speaker of LS sitting
- He presides over a joint ~~sitting~~ of the two Houses of Parliament.
 - Such a sitting is summoned by the President to settle a deadlock between the two Houses on a bill.

- 069
- वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त ~~सेटिंग~~ की अध्यक्षता करते हैं ।
 - इस तरह की बैठक में राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पर दोनों सदनों के बीच गतिरोध को निपटाने के लिए बुलाया जाता है ।

Joint Sitting of Two Houses

(Art-108)

दोनों - हाउस

विधेयों पर

Ordinary

Bills

1. if the bill is rejected by the other House;
2. if the Houses have finally disagreed as to the amendments to be made in the bill; or
3. if more than six months have elapsed from the date of the receipt of the bill by the other House without the bill being passed by it.

दो सदनों की संयुक्त बैठक

1. यदि विधेयक को दूसरे सदन द्वारा अस्वीकार कर दिया जाता है;
2. यदि सदनों ने अंततः विधेयक में किए जाने वाले संशोधनों के बारे में असहमति व्यक्त की है; या
3. यदि दूसरे सदन द्वारा बिल प्राप्त करने की तारीख से छह महीने से अधिक का समय बीत चुका है तो बिल पारित किए बिना।

Since 1950, the provision regarding the joint sitting of the two Houses has been invoked only thrice. The bills that have been passed at joint sittings are:

1. Dowry Prohibition Bill, 1960.
2. Banking Service Commission (Repeal) Bill, 1977.
3. Prevention of Terrorism Bill, 2002.

1950 के बाद से दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के संबंध में प्रावधान केवल तीन बार लागू किया गया है। संयुक्त बैठकों में पारित किए गए विधेयक हैं:

1. दहेज निषेध विधेयक, 1960।
2. बैंकिंग सेवा आयोग (निरसन) विधेयक, 1977।
3. आतंकवाद निरोधक विधेयक, 2002।



- He decides whether a bill is a money bill or not and his decision on this question is final.
- When a money bill is transmitted to the Rajya Sabha for recommendation and presented to the President for assent, the Speaker endorses on the bill his certificate that it is a money bill.

वह तय करते हैं कि कोई बिल मनी बिल है या नहीं और इस सवाल पर उनका फैसला अंतिम है।

जब एक धन विधेयक को सिफारिश के लिए राज्यसभा में प्रेषित किया जाता है और राष्ट्रपति के समक्ष सहमति के लिए प्रस्तुत किया जाता है, तो अध्यक्ष विधेयक का समर्थन करते हैं कि यह एक धन विधेयक है ।

Pro Tem Speaker :

As provided by the Constitution, the Speaker of the last Lok Sabha vacates his office immediately before the first meeting of the newly-elected Lok Sabha.

Therefore, the President appoints a member of the Lok Sabha as the Speaker Pro Tem. Usually, the seniormost member is selected for this.

प्रो टेम स्पीकर:

जैसा कि संविधान द्वारा प्रदान किया गया है, पिछली लोकसभा के अध्यक्ष नवनिर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक से तुरंत पहले अपना कार्यालय खाली कर देते हैं ।

इसलिए राष्ट्रपति लोकसभा के एक सदस्य को स्पीकर प्रो टेम नियुक्त करते हैं। आमतौर पर इसके लिए वरिष्ठतम सदस्य का चयन किया जाता है।

The President himself administers oath to the Speaker Pro Tem.

The Speaker Pro Tem has all the powers of the Speaker.

He presides over the first sitting of the newly-elected Lok Sabha.

राष्ट्रपति ने स्वयं अध्यक्ष प्रो टेम को शपथ दिलाई ।

अध्यक्ष प्रो टेम के पास अध्यक्ष की सभी शक्तियां हैं ।

वह नवनिर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हैं।

His main duty is to administer oath to the new members.

He also enables the House to elect the new Speaker.

When the new Speaker is elected by the House, the office of the Speaker Pro Tem ceases to exist.

Hence, this office is a temporary office, existing for a few days.

उनका मुख्य कर्तव्य नए सदस्यों को शपथ दिलाना है। वह सदन को नए अध्यक्ष का चुनाव करने में भी सक्षम बनाता है ।

जब सदन द्वारा नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है, तो अध्यक्ष प्रो टेम का कार्यालय अस्तित्व में रहता है ।

इसलिए, यह कार्यालय एक अस्थायी कार्यालय है, जो कुछ दिनों के लिए मौजूद है।

Sessions of Parliament

Summoning

The president from time to time summons each House of Parliament to meet. But, the maximum gap between two sessions of Parliament cannot be more than six months.

In other words, the Parliament should meet at least twice a year.

Speaker

← यम

Chairman



SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

संसद का सत्र:

Summoning :

राष्ट्रपति समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन को बैठक के लिए बलाते हैं। लेकिन, संसद के दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतर छह महीने से ज्यादा नहीं हो सकता।

दूसरे शब्दों में, संसद की बैठक वर्ष में कम से दो बार होनी चाहिए ।

There are usually three sessions in a year, viz,

1. the Budget Session (February to May);

**2. the Monsoon Session (July to September);
and**

3. the Winter Session (November to December).

Adjournment

A session of Parliament consists of many meetings. Each meeting of a day consists of two sittings, that is, a morning sitting from 11 am to 1 pm and post-lunch sitting from 2 pm to 6 pm.

A sitting of Parliament can be terminated by adjournment or adjournment sine die or prorogation or dissolution (in the case of the Lok Sabha).

स्थगन

संसद के एक सत्र में कई बैठकें होती हैं। एक दिन की हर मीटिंग मीटिंग में दो मीटिंग होती हैं, यानी सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक बैठकर लंच के बाद दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बैठे रहते हैं।

संसद की बैठक को स्थगन या स्थगन या कार्यवाही या विघटन (लोकसभा के मामले में) द्वारा समाप्त किया जा सकता है ।

Prorogation

The presiding officer (Speaker or Chairman) declares the House adjourned sine die, when the business of a session is completed.

Within the next few days, the President issues a notification for prorogation of the session.

सत्रावसान

पीठासीन अधिकारी (अध्यक्ष या अध्यक्ष) सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा करते हैं, जब किसी सत्र का कामकाज पूरा हो जाता है ।

अगले कुछ दिनों के भीतर राष्ट्रपति सत्र के सत्रावसान के लिए अधिसूचना जारी करते हैं ।